



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 497] नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 10, 1989/श्रावण 19, 1911
No. 497] NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 10, 1989/SRAVANA 19, 1911

इस भाग में अलग पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Pageing is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय
(कंपनी कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 अगस्त, 1989

का. भा. 630(अ):—केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक और
समीचीन है ;

अब, अतः केन्द्रीय सरकार एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार नियम, 1970 के नियम 4क
के उपनियम (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित सभी को या उनमें से किसी को अर्जित
करने के लिए एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा

23 की उपधारा (4) के अधीन किसी आवेदन से संबंधित उक्त नियम के नियम (1) में निर्दिष्ट साधारण सूचना के प्रकाशन को अभिमुक्त करती है—

- (क) किसी स्वतंत्र व्यापार जोन या निर्यात प्रसंस्करण जोन में स्थापित उपक्रम ;
- (ख) उपक्रम जो उद्योग विकास और विनियमन अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 14 और उसके अधीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार द्वारा इस निमित्त नियुक्त बोर्ड द्वारा शत प्रतिशत निर्यातोन्मुखी उपक्रम के रूप में अनुमोदित किया गया है ;
- (ग) उपक्रम परन्तु यह तब जबकि उसका समस्त उत्पादन अर्जित किए जाने के पश्चात्, भारत के बाहर निर्यात के लिए आशयित है ।

[फा. सं. 5/36/89—एम-आई]

एल. सी. गोयल, उप सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Company Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th August, 1989

S.O. 630(E).—Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient so to do in the public interest ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-rule (5) of rule 4A of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Rules, 1970, the Central Government hereby dispenses with the publication of the general notice referred to in sub-rule (1) of the said rule relating to an application under sub-section (1) of Section 23 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), for takeover of the whole or part of any :—

- (a) undertaking established in a free trade zone or an export processing zone ;
- (b) undertaking which has been approved as hundred per cent export-oriented undertaking by the Board appointed in this behalf by the Central Government in exercise of the powers conferred by Section 14 of the Industries Development and Regulation Act, 1951 (65 of 1951) and the rules made thereunder ;
- (c) undertaking provided its entire production after takeover, is meant for export outside India.

[F. No. 5/26/89-M.I]

L. C. GOYAL, Dy. Secy.